भारत सरकार
विधि और न्याय मंत्रालय
विधायी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1387
जिसका उत्तर गुरुवार, 31 जुलाई, 2025 को दिया जाना है

मतदान प्रक्रिया के संबंध में आशंकाएँ

1387 # श्री रामजी लाल सुमन :

क्या **विधि और न्याय** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले लोकसभा चुनाव में संदेहास्पद मतदाताओं ने भी वोट डाला है;

(ख) क्या यह भी सच है कि विशेषज्ञों द्वारा कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में नतीजों में हेरफेर किया जा सकता है ;

(ग) क्या ईवीएम पर उठ रहे सवालों के कारण मतदाताओं में यह आशंका बढ़ी है कि उनका मत सही तरीके से पड़ रहा है या नहीं ; और

(घ) मतदाताओं में उठी आशंकाओं को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार);
संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) : भारत निर्वाचन आयोग ने सूचित किया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार संदिग्ध मतदाताओं की कोई श्रेणी नहीं है ।

(ख) : भारत निर्वाचन आयोग ने सूचित किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर निर्वाचन परिणामों में हेरफेर नहीं किया जा सकता। ।

(ग) और (घ) : भारत निर्वाचन आयोग ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की निष्पक्षता और अखंडता पर कोई संदेह नहीं है, जो वर्षों से बहुत से निर्वाचनों, सार्वजनिक और विधिक जाँच की कसौटी पर खरी उतरी हैं । भारत निर्वाचन आयोग ने आगे बताया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के उपयोग के विरुद्ध कम से कम 42 याचिकाएँ, जो विभिन्न उच्च न्यायालयों और माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर की गई हैं, और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के

उपयोग में शामिल तकनीकी सुदृढ़ता और प्रशासनिक सुरक्षा उपायों के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के बाद, माननीय न्यायालयों ने बार-बार यह माना है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें छेड़छाड़-रहित, विश्वसनीय और भरोसेमंद हैं । भारत निर्वाचन आयोग ने यह भी उल्लेख किया है कि किसी भी प्रकार की आशंका को दूर करने के लिए, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित दस्तावेज, जैसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वीवीपीएटी पर मैनुअल, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर प्रस्तुति, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर स्थिति पत्र, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वीवीपीएटी का विधिक इतिहास और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न सार्वजनिक डोमेन यानी भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट (https://www.eci.gov.in/evm-vvpat) पर उपलब्ध हैं ।

****